18 hrs.

INDIAN POST OFFICE (AMENDMENT) BILL BY SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (नई दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 का और संशोधन करने का उपबन्ध करने वाले विधेयक पर विचार का प्रस्ताव* करता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय, इस संशोधन विधेयक के द्वारा मैं अंग्रेजों द्वारा बनाये गये भारतीय डाकघर अधिनियम, 1898 में संशोधन पेश कर रहा हूं। अंग्रेजों के काले कानून उनकी उपनिवेशवादी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये बनाये गये थे। अंग्रेज साम्राज्यवादी थे, लोकतंत्रवादी नहीं थे, उन्हें व्यक्तिगत स्वाधीनता के लिये कोई सम्मान नहीं था। लेकिन यह बड़े खेद की बात है कि अंग्रेजों को तो हमने भारत से निकाल दिया, मगर उनके बनाये हुए ऐसे काले कानून जो लोकतन्त्र विरोधी हैं, व्यक्तिगत स्वाधीनता का हनन करते हैं, उन्हें अभी तक हम अपनी अलमारियों में केवल शोभा नहीं, उपयोग के लिए काम में ला रहे हैं। मुझे आश्चर्य हुआ जब मैंने संचार मंत्री श्री स्टीफन को सुना···

श्री गिरधारी लाल व्यास (भीलवाड़ा) : आपको आश्चर्य क्यों हुआ ? आप खुद मंत्री रहे उसे विदड्रा करवा लेते।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर साहब हम नहीं कर पाये इसलिये आप आ गये। और अगर आप नहीं करेंगे तो आप भी चले जायेंगे, हम आ जायेंगे।

MR. DEPUTY-SPEAKER : You may continue next time.

18.02 hrs.

DISCUSSION *RE* ATROCITIES COMMITTED ON SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES IN BIHAR AND OTHER PARTS OF THE COUNTRY.

—CONTD.

MR. DEPUTY-SPEAKER : We now take up further discussion under rule 193. Shri Suraj Bhan.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. VENKATASUBBAIAH) : There is a paper to be laid on the Table of the House.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRIES OF INDUSTRY AND STEEL AND MINES (SHRI CHARANJIT CHANANA) : Sir, I beg to lay....

MR. DEPUTY-SPEAKER : But there is no item before us.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: What is he laying ? (*Interruptions*).

MR DEPUTY-SPEAKER : We take up 193 discussion. (*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : What is laid on the Table ?

MR. DEPUTY-SPEAKER : The Hon. Minister has not laid any thing on the Table.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : The Hon Minister or anybody has not laid the papers on the Table and they have only misled the House.

MR. DEPUTY-SPEAKER : Hon. Members, how much time we require to complete the business of the

*Moved with the recommendation of the President.